Text of the address by the Chief Guest, His Excellence Dr. Ram Nath Kovind, Governor of Bihar, delivered at the 55th Annual Convocation of National Academy of Medical Sciences (India) on 17th October, 2015 at All India Institute of Medical Sciences, Patna (Bihar)

*****

Guests, Director, Faculty, Students and employees assembled on the occasion of the 55th National Conference of the National Academy of Medical Sciences Hosted by AIIMS Patna, I welcome you to Bihar.

The National Academy of Medical Sciences was inaugurated by the then Prime Minister of India, Pandit Jawaharlal Nehru, on 21st April 1961. Since then they have provided Fellowship and Membership to many Doctors on the basis of excelling in Academics in their profession. My best wishes and congratulations to those being conferred Fellowships and memberships this year. They also help organize such conferences to solve the regional problems. I hope that in this conference too deliberations will help solve regionally relevant Health problems in Bihar.

The All India Institute of Medical Sciences was envisioned to correct the regional imbalances in Health and Medical Education in India. How will the benefits of modern science reach the last man in the queue, at his door step at affordable cost is the mandate of such Institutions to be dedicated to the Nation in sufficient quantity. With this mandate this 3 year old baby Institution is already Unique as compared to other medical teaching Institutions of the country in many ways. You can have an idea of how from their publication AINA 12, 13 and 14 in which the news reports describing the difference have been presented.

How would the simple, safe, low cost and effective treatment be delivered to the remotely placed last man have been tackled by them in many ways? They helped train the Quick Medical Response Team being stationed and networked in remote areas by the Disaster Management Department of the Government of Bihar. They have a virtual vidyalay for the common man who wants to learn to respond correctly to medical emergencies or disaster at their Tele-medical Education site http://www.sankatmochannagrik.in. They have devised an application called Sankat which facilitates sending a pre-coded message by a common man such as an Auto driver through a mobile which identifies the location of the disaster or emergency on a Google Map on the mobile screen of the First responder ambulance, Fire tenderer or police so that the nearest help can reach without delay. There Chattisa is a remotely placed computer-savy youngster who gets credible free consultation from an AIIMS specialist through video conferencing through net saving the remotely placed patient at least 2000 Rs from a trip to Patna to get the same consultation. I have been told that since its inception by the then Health Minister of Bihar Shri Ashwani Choubey on January 23, 2013 the program had provided consultation to 87000 patients and saved the trip of 50000 that is Rs.10 crores of the poor man's money on Health. Their micro-mapping of the AES JE 2012 epidemic strengthened the hypothesis of it being caused by an Entero Feces borne water transmitted Virus along the North banks of Saryu and Ganga. Using the information the State Health

Department by an intensive water contamination control and detection, retrieval and SOP based management was able to decrease the incidence of the disease in Muzzafarpur from above 1300 last year to less than a 100 this year.

Besides this patients attending the Institutes OPD can register themselves through their mobiles avoiding large queues. All their Data including images, video, text, numbers are stored on the net from the point of creation and can be retrieved through mobile at multiple distant points, used and updated. Being digital from the very beginning the data can be used for Research and creation of Good Clinical Practice and Policy Guidelines.

They have done 2000 major surgeries like cochlear implant and joint replacements in their 4 modern theatres without mortality since March 2014. Soon they will have 3 more theatres to reduce waiting lists and with installation of CT Scan and Blood Bank in near future their emergency will start.

I have been told that their teaching techniques include e learning and are very modern and developed.

Their ability to create powerful Friends like RMRI, UNICEF, PATH, WHO, State Governments Disaster and Health Departments, IIT and IIM of Bihar and NAMS nationally and network with them will help everyone fight the unending war against Death and Disease.

I wish you success in being useful to the Nation, World and Humanity and stop here with a Jai Hind.

परम आदरणीय महामहिम श्री रामनाथ कोविद, बिहार के राज्यपाल का अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान पटना में राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी की ५५वी राष्ट्रीय गोष्ठी में भाषण

राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी की ५५ वी राष्ट्रीय गोष्ठी में पधारे अतिथि गण, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान पटना के निदेशक, संकाय, विद्यार्थी एवं कर्मचारी, सभी का इस गोष्ठी, बिहार मे स्वागत |

राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी की स्थापना २१ अप्रैल १९६१ को हुई और इसका उद्घाटन १९ दिसम्बर १९६१ को भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरु द्वारा किया गया | तबसे इस अकादमी द्वारा चिकित्सा शिक्षा मे उत्कृष्ट चिकित्सको को फ़ेलोशिप और सदस्यता दी जाती है | आज के दिन सम्मान पा रहे सभी चिकत्सको को मेरा साधुवाद एवं बधाई | इसके अलावा ये अकादमी वैज्ञानिक गोष्ठी करा स्थानीय समस्याओं का समाधान ढूँढने मे योगदान देती हैं | आशा है इस गोष्ठी से भी स्वास्थ स्तर मे बिहार में स्थानीय असमताओं को दूर करने मे महत्वपूर्ण मदद मिलेगी |

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान पटना की परिकल्पना स्थानीय चिकित्सा एवं शिक्षा स्तर में विषमताओं को दूर करने हेतु की गई | उच्स्तरीय स्वस्थ्य एवं चिकित्सा सुविधाए पंक्ति में खड़े आख़िरी आदमी तक, उसके द्वार, कम से कम खर्च पर कैसे पहुंचे, इसी लिए ये संस्थान देश को समर्पित है और ऐसे कई अन्य संस्थान समुचित मात्रा में देश को दिया जाना प्रस्तावित हैं | इस उद्देश्य को लेकर चलता हुआ पटना का अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान संस्थान अपनी ३ वर्ष की बालावस्था में ही देश में अन्य सभी चिकित्सा शिक्षा संस्थानों से कई मानो में भिन्न है | इनके प्रकाशन १२, १३, १४ के आइने के जरिये अल्पकाल में हुई इनकी उप्लाभ्दियों का अंदाज़ मिलता है | जिनमे, ये वर्ष में कितनी बार और किन किन कारणों से अखबारों में सुर्खियों का विषय बने इस बात की विस्तृत चर्चा है |

समय रहते सबसे प्रभावी, सस्ता और सुलभ उपचार सुदूर स्थित रोगी को पहुँच सके इस दिशा मे इस संस्थान की कई पहल हैं | बिहार सरकार के चिकित्सा और आपदा विभागों के साथ मिलकर इनका सुदूर छेत्रों में Quick Medical Response Team (QMRT) तैयार करने का कार्यक्रम | इनकी संकटमोचन नागरिक नाम से प्रसिद्ध Tele-medical Education site जो कि आम आदमी के लिए संकट में क्या करे के प्रशिक्षण के लिए इन्टरनेट पर सभी को उपलब्ध इनके द्वारा संचालित एक virtual vidyalay है | इनकी ऑटो ड्राइवर्स तक को उप्लाभ्द संकट संकेत सेवा, जो दुर्घटना या आपद की स्थित में जिसमे First Responder को के स्थान की सूचना google मानचित्र पर mobile पर उपलभ्द होने के कारण समय से निकटतम सहायता एम्बुलेंस पुलिस या अग्नि शामक वाहन के जरिये मिल जाती है और कई ऑटो भी पटना में अब एम्बुलेंस का काम करने लगे हैं | इनका छत्तीसा, जो एक नवयुवक है जो नेट के जरिये सुदूर स्थित रोगी को रोग सम्बंधित AIIMS पटना से मुफ्त परामर्श दिला

उसका व्यय कम करा देता है और AIIMS से विश्वसनीय राय, समय से, उसके द्वार के निकट, सुदूर छेत्र में भी लोग इसका फायदा अब कई वर्षो से उठा रहे हैं | केवल १५ रूपए के खर्च में सुदूर स्थित रोगी को मिला ये परामर्श पटना आकर दिखाने में उसके कम से कम २००० रूपये बचा देता है| मुझे बताया गया है कि बिहार के तत्कालीन स्वस्थ्य मंत्री श्री अश्वनी चौबे द्वारा २३ जनवरी २०१३ को उद्घटित ये प्रोग्राम लगभग ५०००० मरीजों का २००० रुपये की दर से २०१५ जनवरी तक १० करोड़ रुपये बचा चुका है| इनकी मस्तिष्क रोग AESJE के मरीजों के स्थान एवं समय बिखराव को मापित करने के कारण उसके जल से प्रवाहित होने के संकेत मिले| इस वर्ष प्रदेश task force एवं UNICEF ने इसका उपयोग कर प्रभावित मुज़्ज़फरपुर में सघन शौच सफाई अभियान चला और समय रहते त्वरित एवं समुचित चिकित्सा प्रबंदन से बीमारों के संख्या २०१४ में १३०० की अपेक्षा इस वर्ष १०० से कम कर ली|

इसके अतिरिक्त संस्थान में आ रहे रोगी mobile के जरिये अपना रजिस्ट्रेशन करा सकते है, लाइन लगाने की आवश्यकता नहीं | उनका सब डाटा, फोटो, xray, video, pathology रिपोर्ट इत्यादि, सब का सब, create होने के point से ही, mobile के जरिये, उनके Electronic Medical Record में हमेशा के लिए चला जाता है और हर समय सुदूर से सुदूर छेत्र में mobile पर उपलब्द हो उपयुक्त किया जा सकता है | इसके अलावा digital होने के कारण वह शोध के लिए आसानी से उपयुक्त हो सकता है और Good Practice एवं Policy Guidelines बनाने में उपयुक्त हो सकता है |

ये २०१४ मार्च से लगभग २००० cochlear implant एवं जॉइंट रिप्लेसमेंट जैसे बड़े से बड़े ऑपरेशन operation अपने ४ आधुनिक theaters में कर चुके है बिना एक भी mortality के शीघ्र ही ३ और थिएटर जुड़ जाएँगे और CT scan blood bank इत्यादि सेवाओं के लगते ही Emergency शुरू हो जाएगी |

मुझे बताया गया है कि इनका शिक्षण भी इ-learning के अतिआधुनिक techniques से युक्त है |

बीमारी और मौत से हो रहे इस अविराम युद्ध में, इनकी मित्रता कर सभी को साथ ले चलने की प्रवत्ति से, इन्होने प्रदेश में RMRI, UNICEF, Path, WHO बिहार सरकार के आपदा और स्वस्थ्य विभाग, पटना IIT और IIM और राष्ट्रीय स्तर पर NAMS जैसे शक्तिशाली साथी बना लिए हैं जिससे देश और प्रदेश को अभूतपूर्व लाभ होने की आशा है |

आप सभी का सफर सफल हो, राष्ट्र के लिए, विश्व के लिए मानवता के लिए आप उपयोगी हो इन्ही शब्दों के साथ में अपनी वाणी को विराम देता हूँ |

जय हिन्द |

*****